हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार,29 सितंबर 2025

11 सीताजी ने पार की लक्ष्मण रेखा तो उन्हें हर ले गया रावण

12 शब्द मौन हो गए और कलम झुक गई ...

खबर संक्षेप

डी प्लान से 11 लाख रुपये में बनेगी गली

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने हलके के गांव नूना माजरा में डी प्लान से 11 लाख रुपए की लागत से बनने वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ नारियल फोड़कर किया। यह गली हरिओम पंडित के मकान से लेकर पूर्व सरपंच सतबीर के मकान तक बनाई जाएगी। गली निर्माण के बाद जलभराव की समस्या खत्म हो जाएगी। ग्रामीणों ने गली का निर्माण कार्य शुरू कराने पर विधायक का आभार जताया।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव तलाव निवासी एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 62 वर्षीय महाबीर पुत्र बलबीर के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार महाबीर शनिवार की रात शहर में हुए एक धार्मिक समारोह में शामिल होने गया था। उसी दौरान अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। जिसके बाद उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद पुलिस अस्पताल पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भिजवाया। रविवार को परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

परीक्षाओं को लेकर केंद्रों पर धारा 163 लागू

झज्जर। जिले में बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन भिवानी द्वारा 21 अक्तूबर तक आयोजित की जाने वाली विभिन्न परीक्षाओं को

सुचारू व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर क्षेत्र में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना तथा हथियार लेकर घूमना प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही इस दायरे में फोटोकॉपी की दुकानें भी बंद रहेंगी। यदि कोई व्यक्ति आदेश की अवहेलना करेगा तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध रहेंगे।

लोवा खुर्द में कल्पना चावला की याद में आयोजित गर्ल्स फुटबॉल लीग में शानदार मुकाबले

खेड़ी, माछरौली, जींद व झज्जर की टीमें जीती

पहला मैच लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब और खेड़ी टीम के बीच हुआ। यह मैच खेड़ी ने 3-2 के अंतर से जीत लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में कल्पना चावला की याद में आयोजित गर्ल्स फुटबॉल लीग में रविवार को शानदार मुकाबले खेले गए। खेड़ी, माछरौली, जींद व झज्जर की टीमों ने जीत दर्ज की। कोच सुदर्शन ने कहा कि इस लीग का उद्देश्य लड़कियों को फुटबॉल में आगे बढ़ाना और उनके खेल को निखारना है। पहला मैच लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब और खेड़ी टीम के बीच हुआ। यह मैच खेड़ी ने 3-2 के अंतर से जीत लिया। इस दौरान दर्शक उत्साहित दिखे।

तीसरे मैच में आर्या जींद टीम का शानदार खेल

तीसरे मैच में आर्या जींद टीम ने भाली टीम को 7-1 से हराया। जींद से कशिश और मुस्कान ने गोल किए, जबकि भाली से सोनी ने एक गोल किया। चौथे मैच में झज्जर टीम ने जसौर को 2-1 से मात दी। रेफरी की भूमिका में शिवम, श्लोक, अक्षित, आदित्य, ढीला और टीनू आदि रहे। इस मौके पर कमेटी प्रधान नरेश कुमार ने कोच रितु रानी, विनय, आरती, शिवानी, निधि, शिखा, बीजे व दर्शकों का आभार जताया।

लोवा खुर्द की तरफ से वर्षा ने दो गोल किए

लोवा खुर्द की तरफ से वर्षा ने दो गोल किए, जबकि खेड़ी की तरफ से चेष्टा, निकी और श्रुति ने एक-एक गोल किया। दूसरे मुकाबले में माछरौली टीम ने सिटी बहादुरगढ़ फुटबॉल क्लब को 3-0 के अंतर से मात दी। माछरौली की तरफ से रितिका, साक्षी, मानसी और कोमल ने गोल किए। महिला फुटबॉल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने सैकड़ों खेलप्रेमी पहुंचे।

गुरुग्राम व चंडीगढ़ में छाए बीआरजी के धावक

बहादुरगढ़। रविवार को गुरुग्राम में हुई हार्वेस्ट गोल्ड रन और चंडीगढ़ में हुई टफमैन हाफ मैराथन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावक छाए रहे। ग्रुप के 90 धावकों ने इन स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए पदक जीतकर बहादुरगढ़ का रोशन किया। दीपक छिल्लर ने बताया कि गुरुग्राम में आयोजित हार्वेस्ट गोल्ड रन में 10 किलोमीटर ओवरऑल कैटेगरी में हेमदत्त ने पहला स्थान पाया। तीन किलोमीटर में संदीप ने स्वर्ण पदक जीता और महिला वर्ग में संजू सैनी प्रथम रहीं। दस किलोमीटर में कृष्णा राणा ने 60 प्लस महिला वर्ग में प्रथम, कर्नल कृष्णन सिंह बधवार ने 50–60 वर्ग में द्वितीय और ललिता पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पांच किलोमीटर के 50–60 आयु वर्ग में धर्मवीर सैनी प्रथम

पांच किलोमीटर के 50–60 आयु वर्ग में धर्मवीर सैनी ने प्रथम, राजेश कुमार ने द्वितीय और 18–34 आयु वर्ग ओपन में सन्नी तृतीय स्थान पर रहे। तीन किलोमीटर 35–49 आयु वर्ग में रोहताश ने दूसरा स्थान पाया। बच्चों की 9–12 आयुवर्ग में सुनाक्ष सांगवान प्रथम और पार्क्ष द्वितीय स्थान पर रहे। चंडीगढ़ में हुई टफमैन हाफ मैराथन में बीआरजी के गुलाब सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया। रविंद्र दहिया, किरण नरूला, अमृत कौर, मुकेश कुमार, ब्रह्मप्रकाश मान, नवीन राणा, आरके मोर, बिजेंद्र सिंह, सुमित, कपिल, विनोद, सुमन, ममता, संध्या, लवली सहित अन्य ने हिस्सा लिया।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, केस

बहादुरगढ़। बालोर बाईपास के निकट कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दिल्ली के ईएसआई अस्पताल में भर्ती है। उसकी शिकायत पर सदर थाना

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल की पहचान ओमप्रकाश के रूप में हुई है। दिल्ली के ककरौला गांव का रहने वाला है और यहां सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में काम करता है। ओमप्रकाश का कहना है कि गत 26 सितंबर की रात को ड्यूटी पूरी कर वह बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। जब बालोर फ्लाईओवर के निकट पहुंचा तो एक कार चालक टक्कर मारकर फरार हो गया। हादसे में मुझे सिर व पांव में गंभीर चोट आई। राहगीरों ने संभाला और अस्पताल लेकर गए। इसके बाद परिजनों ने ईएसआई अस्पताल में भर्ती करा दिया। उधर, सूचना पाकर सदर थाना पुलिस अस्पताल में पहुंची और घायल के बयान लिए। बयान के आधार पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

स्मैक सहित आरोपी काबू

बहादुरगढ़। पुलिस की एवीटी टीम ने खेड़ी जसोर गांव में एक युवक को स्मैक सहित गिरफ्तार किया है। गांव

के हरसिंघी मंदिर के पास किए गए आरोपी की पहचान योगेश के रूप में हुई है। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 5.79 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ आसौदा थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मातनहेल के पशु अस्पताल में कार्यरत थे शमशेर

खेत में धान की सिंचाई करने गए वीएलडीए को मोटर चलाते समय करंट लगा, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव मातनहेल में करंट की चपेट में आने से एक पशु चिकित्सक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 32 वर्षीय शमशेर के तौर पर हुई है। यह हादसा उस दौरान हुआ जब शमशेर अपने खेत में धान की फसल में पानी देने पहुंचा। इस दौरान जब वह मोटर चला रहा था तो अचानक करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। वह करीब दस वर्ष पहले वीएलडीए के पद पर चयनित हुआ था तथा फिलहाल मातनहेल के पशु अस्पताल में कार्यरत था।

परिवार में मातम : बड़ी बेटी पांचवीं और छोटी पहली कक्षा की छात्रा

शमशेर दो पुत्रियों का पिता था जिनमें बड़ी बेटी पांचवीं तथा छोटी बेटी पहली कक्षा की छात्रा है। पुलिस द्वारा इस मामले में इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। उनकी मौत से परिवार में मातम का माहौल है।

प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रेफर

भापड़ोदा में पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला, केस

बहादुरगढ़। गांव भापड़ोदा में झगड़े के दौरान पिता-पुत्र पर कुल्हाड़ी, फरसे और डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में पिता-पुत्र को काफी चोट आई। उनको पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। घायल पक्ष ने पुलिस को शिकायत दे दी है। शिकायतकर्ता ललित का कहना है कि वह और उसके पिता अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान चार लोग आए, जिनमें हमारे गांव का एक युवक भी शामिल था। आते ही उन्होंने हम पर कुल्हाड़ी, फरसे, लाठी, डंडे आदि से जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट करने के बाद वे धमकी देकर चले गए।

उधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हमले की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। शिकायत के आधार पर आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

महज सात दिन में दो चोटियां फतह, पहले 6111 मीटर यूनाम पीक

पर्वतारोही विकास ने मनाली की मशहूर 5289 मीटर ऊंची फ्रेंडशिप पीक को भी फतह किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव आसौदा निवासी विकास कुमार ने महज 7 दिनों के अंदर हिमालय की 2 ऊंची चोटियों पर तिरंगा लहराकर हरियाणा का नाम रोशन किया है। विकास ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश की 6111 मीटर यूनाम पीक पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मनाली की मशहूर 5289 मीटर ऊंची फ्रेंडशिप पीक को भी फतह किया। फ्रेंडशिप पीक पर चढ़ाई के दौरान विकास को आइस ऐक्स, क्रैम्पॉन, क्लाइम्बिंग जूते, रस्सी सहित कई तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। इस शिखर तक पहुंचने के लिए रात के 2 बजे से ट्रेकिंग शुरू करनी पड़ती है।

माउंट एवरेस्ट लक्ष्य: विकास ने बताया कि गत 7 दिनों में यह उनकी दूसरी सफल चढ़ाई रही। यह अनुभव अविस्मरणीय है। एक दिन वह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर भी अपना तिरंगा लहराएगा।

लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा रेलवे फाटक

सुबह खुलने की उम्मीद

बहादुरगढ़। बराही रेलवे फाटक लगातार तीसरे दिन रविवार को भी बंद रही। इस कारण लाइनपार के काफी लोगों का परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों को उम्मीद है कि रविवार शाम तक मरम्मत कार्य पूरा हो जाएगा, जिसके बाद फाटक खुल जाएगी दरअसल, बीते दिनों कुछ समय से रेलवे की ओर से ट्रैक पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। शुक्रवार को विकास नगर के नजदीक बराही फाटक पर काम शुरू हुआ। इसलिए फाटक बंद करनी पड़ी। शुक्रवार व शनिवार के बाद रविवार को लगातार तीसरे दिन भी फाटक दिनभर बंद रही। कर्मचारियों की ओर से मरम्मत कार्य किया गया। तीन दिन से फाटक बंद रहने और अंडरपास भी बंद रहने के कारण लाइनपार के लोग परेशान रहे।

खानपुर खुर्द गांव में जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव कल

झज्जर । जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को गांव खानपुर खुर्द स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल करेंगे व जिला प्रशासन के सभी अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान डीसी ग्रामीणों से बातचीत करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे। विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन होगा। सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

वरिष्ठ अधिकारी ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे।

पटेल नगर में रास्ता रोककर युवक पर हमला, गंभीर हालत में पीजीआई रेफर

बहादुरगढ़। पटेल नगर में एक युवक पर कुछ लोगों ने बिट्टों से हमला कर दिया। हमले में युवक को काफी चोट आई। उसे पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। पटेल नगर के ही तीन नामजद सहित अन्य अज्ञात युवकों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। सेक्टर 6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात अंकुश के साथ हुई है। यूपी मूल के अंकुश का कहना है कि वह यहां पटेल नगर में रहता है। कुछ दिन पहले जब बाइक से आ रहा था तो दो-तीन लड़कों के साथ कहासुनी हो गई। वे लड़के यहां पटेल नगर में रहते हैं। अभी हाल ही में जब मैं घर के पीछे खाली जगह में घूमने लगा तो वे तीनों युवक मिल गए और झगड़ने लगे। इसी दौरान लोहे के पंच और लकड़ी के बिट्टों से हमला कर दिया। बाइक पर कुछ और युवक भी आ गए। उन्होंने भी मारपीट की। फिर धमकी देकर चले गए।

कहासुनी की रंजिश में हमला, केस

आरोपियों ने कुछ दिन पहले हुई कहासुनी की रंजिश में मुझ पर यह हमला किया, जिसमें मुझे काफी चोट आई। परिवार के लोग मुझे अस्पताल ले गए। जहां से पीजीआई रेफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान हो गई है। गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जाएगी।

अगर हिमालय का स्वास्थ्य ठीक है तो इस भू-भाग का स्वास्थ्य ठीक रहेग

जनता जनार्दन सेवा समिति द्वारा वन कानूनों की भूमिका पर आयोजित किया गया सेमिनार

वन संरक्षण अधिनियमों में ढिलाई से खतरा, बादल फटेंगे पहाड़ गिरेंगे और मलबा मैदानों तक नदियों में भर जाएगा

बहादुरगढ़। जनता जनार्दन सेवा समिति द्वारा रविवार को शहर की दीनबंधु छोटूराम धर्मशाला में शहीद भगत सिंह जयंती पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता जयकरण मांडोठी ने की तथा संचालन सतवीर सिंह दहिया ने किया। प्रतिभागियों ने शहीद-ए-आजम को नमन करने के उपरांत देश में बाढ़ के कारण मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। बाढ़ के कारण और निवारण के साथ ही वन कानूनों की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में 38 प्रतिभागियों ने दोनों विषयों पर अपने विचार प्रकट किए। सबसे पहले शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। धर्म प्रकाश दहिया ने शहीद भगत सिंह के जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया। बाढ़ कारण और निवारण वन कानूनों की भूमिका पर सतवीर सिंह दहिया ने संक्षिप्त वक्तव्य दिया। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी द्वारा शहीद भगत सिंह के जीवन व विचारों पर आधारित कविता सुनाई गई।

प्रकृति के साथ खिलवाड़ ने बढ़ रहा खतरा

सतवीर सिंह दहिया ने कहा कि हिमालय और दक्षिणी पठार के मध्य स्थित जलवायु का नियंता हिमालय पर्वत है। अगर हिमालय का स्वास्थ्य ठीक है तो इस भू-भाग का स्वास्थ्य ठीक रहेगा अन्यथा बाढ़ जैसी आपदाएं रोकी नहीं जा सकेंगी। जिस कारण भयानक हानि होगी। हाल ही में वन संरक्षण अधिनियम 1980 में परिवर्तन करते हुए एलओसी से भारत की तरफ 100 किलोमीटर की पट्टी में वन संरक्षण अधिनियम 1980 में परिवर्तन करते हुए, संरक्षण अधिनियम से बड़ी छूटें दी गई हैं।

नदियों की जल वहन और बहनें की क्षमता समाप्त हो जाएगी

सतवीर सिंह दहिया ने बताया कि दस हैक्टेयर तक के वन क्षेत्र में गैर वानिकी परियोजनाएं स्थापित करने के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 1996 में परिभाषित वन क्षेत्रों को भी वन क्षेत्र मानने से इनकार किया गया है। ये प्रावधान हिमालय में वृक्ष कटाई और जमीन कटाई को बढ़ावा देंगे। इससे बादल फटेंगे, पहाड़ गिरेंगे और ये सारा मलबा मैदानों तक नदियों में भर जाएगा। नदियों की जल वहन और बहनें की क्षमता समाप्त हो जाएगी। वर्षा का पानी बस्तियों और खेतों में घुस जाएगा। इसलिए सरकार ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार करे।

सेमिनार में उन्होंने विचार व्यक्त किए : बहादुरगढ़ में शहीद यादगार समिति का संचालन फिलहाल अवरुद्ध है। ऐसे में शहीदों को समय पर याद करने के लिए समिति को दोबारा चलाने पर सहमति बनी। सेमिनार में जयपाल सांगवान, राजपाल मास्टर, बिजेंद्र सैनी, आरसी यादव, हिम्मत सिंह रतनू, दिलबाग सिंह दलाल, ओमप्रकाश कलियां, सुरजीत सिंह, सुमित छिकारा, सरदार स्वतंत्र सिंह, एडवोकेट हरबीर सिंह राठी, रामकिशन, धनराज तहलान, मुकेश, शुभम यादव, राकेश वत्स, मंगत नरवाल, मुकेश व्यास आदि ने अपने विचार दिए।

मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का किया सम्मान

बहादुरगढ़। मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन विनोद कौशिक और वाइस चेयरमैन प्रदीप गुप्ता का पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी के कार्यालय में रविवार को भव्य स्वागत-सम्मान किया गया। इस मौके पर दिनेश कौशिक, चेयरपर्सन सरोज राठी, रमेश राठी, पार्षद राजेश तंवर, अमित कौशिक आदि ने दोनों पदाधिकारियों का बुक्का भेंट कर सम्मान किया।

ईमानदारी के साथ जिम्मेदारी निभाएंगे

दिनेश कौशिक ने कहा कि विनोद कौशिक और प्रदीप गुप्ता पूरी ईमानदारी के साथ जिम्मेदारी निभाएंगे। आढ़तियों, व्यापारियों और दुकानदारों की समस्याओं को गंभीरता से सुनेंगे और समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास करेंगे। साथ ही उनके हितों की आवाज अधिकारियों तक पहुंचाएंगे

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाजी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता

डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता

विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेडैं नहीं फिर छोडैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक

ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली

डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाज़ें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही ख़ूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक ख़बरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आनंद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

खबर संक्षेप

विधायक ने सुनीं सैनिक नगर वासियों की समस्याएं

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने रविवार को वार्ड नंबर-30 के सैनिक नगर में स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों ने सफाई कर्मचारियों की कमी, सीवर ओवरफ्लो होने, नई गलियों का निर्माण करवाने की मांग उठाई। विधायक राजेश जून ने लोगों की बात बड़े ध्यान से सुनीं और आश्वस्त किया कि सैनिक नगर की सफाई और सीवर से संबंधित समस्याएं जल्द ही खत्म की जाएंगी। सैनिक नगर में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं। हर कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा।

पोक्सो एक्ट के तहत युवती गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 27 अगस्त को पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने रामसिंहपुरा की एक युवती को गिरफ्तार कर लिया।

प्राचीन रामलीला मैदान में हो रहा मंचन

सीताजी ने पार की लक्ष्मण रेखा तो उन्हें हर ले गया लंकापति रावण

मंचन की शुरूआत पंचवटी से होती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। महाराजा दशरथ से वन जाने की आज्ञा लेते हुए श्रीराम, सीया और लक्ष्मण जी, पंचवटी से सीता जी को ले जाते हुए लंकापति रावण। फोटो :हरिभूमि

प्राचीन रामलीला मैदान में दिन के समय चल रही रामलीला में सिया हरण, प्रभु श्रीराम द्वारा शबरी के झूठे बेर खाना तथा सुग्रीव एवं श्रीराम की मित्रता तक की कथा का मंचन किया गया। मंचन की शुरूआत पंचवटी से होती है जहां सीता जी जब एक स्वर्ण मृग को उलछ कूद करते हुए देखती है तो वह श्रीराम से उसे पकड़ कर लाने का आग्रह करती है। श्रीराम जी उन्हें समझाते हैं कि यह कोई राक्षसी माया हो सकती है क्योंकि सोने के मृग होते ही नहीं। लेकिन जब सीताजी जिद करने लगती है तो श्रीराम जी अपने छोटे भाई लक्ष्मण को वहां सुरक्षा के लिए छोड़ कर मृग के पीछे चले जाते हैं। थोड़ी देर में आवाज सुनाई देती है तो सीता जी लक्ष्मण को भी श्रीराम का पता लगाने के लिए वहां से भेजती है। लक्ष्मण उन्हें समझाता है कि श्रीराम जी को कुछ नहीं होगा यह केवल राक्षसी माया प्रतीत होती है लेकिन सीता जी नहीं मानती तो लक्ष्मण जी कुटिया के चारों तरफ एक रेखा खींचते हुए उन्हें इस परिधि से किसी भी सूरत में बाहर न निकलने के सचेत करते हुए आवाज वाली दिशा में चला जाता है। उसके बाद लंकापति रावण वहां भिक्षुक का वेष धारण करके आता है तथा सीता जी से भिक्षा मांगने लगता है और लक्ष्मण द्वारा खींची गई रेखा से बाहर कर भिक्षा देने के लिए विवश करता है।

श्रीराम सीता व लक्ष्मण को गंगा पार कराने के दृश्यों का मंचन किया

जब सीता भिक्षा देने के लिए रेखा पार करती है तो रावण उनका हरण कर ले जाता है। इसके बाद गिद्धराज जटायु भी रावण से सीता जी को छुड़ाने का प्रयास करता है लेकिन रावण उसे बुरी तरह जख्मी कर वहां से चला जाता है। बाद में श्रीराम व लक्ष्मण जब पंचवटी लौटते हैं तो वहां सीता जी का न पाकर दुखी होते हैं तथा उनकी तलाश में वनों में भटकते हैं। इसके बाद जटायु से मिलते हैं तथा उनके बताई गई दिशा में आगे बढ़ते हैं जहां आगे चल कर शबरी मिलती है जो श्रीराम को आवभगत में चख-चख कर मीठे बेरी उन्हें खाने को देती है। श्रीराम जी भी उनके झूठे बेर श्रद्धा के साथ ग्रहण करते हैं। इसके अलावा सुग्रीव व श्रीराम की मित्रता की कथा का भी मंचन किया गया। उधर रात्रि में होने वाली श्रीविकास रामलीला में शनिवार की रात्रि श्रीराम वनवास व केवट द्वारा नाव द्वारा श्रीराम सीया व लक्ष्मण को गंगा पार कराने के दृश्यों का मंचन किया गया।

छोटूराम नगर में हुई 496 लोगों की स्वास्थ्य जांच

बहादुरगढ़। शिविर में लोगों की जांच करती डॉ. संजय हॉस्पिटल की टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- 496 लोगों के ब्लड प्रेशर व शुगर समेत अन्य जांच की और जरूरतमंद मरीजों को उचित दवा और परामर्श दिया

जलभराव से प्रभावित छोटूराम नगर में रविवार को संजय हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन चेयरपर्सन सरोज राठी के पति रमेश राठी और पार्षद राजकुमारी धाकरे के पति हरिमोहन धाकरे ने किया। शिविर में कुल 496 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गईं। कैंप में डॉ. संजय सिंह, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. विपिन, डॉ. अविनाश , डॉ. नवीन मलिक, डॉ. तरूणा और डॉ. शुभांगी ने 496 लोगों के ब्लड प्रेशर व शुगर समेत अन्य जांच की और जरूरतमंद मरीजों को उचित दवा और परामर्श दिया। कैंप में उषा रानी, शशि कुमार व कर्मबीर ने भी सेवाएं दी। डॉ. संजय सिंह ने बताया कि संजय हॉस्पिटल की ओर से यह तीसरा कैंप लगाया गया है। तीनों कैंप अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए हैं, ताकि जलभराव से प्रभावित छोटूराम नगर के सभी लोगों को जांच शिविर का लाभ मिल सके। लोगों को घर के पास ही स्वास्थ्य जांच और दवा की सुविधा मिली है। भविष्य में भी ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। इस अवसर पर नवल किशोर, हीरालाल, योगेश, राधेश्याम, मुरारी, सीमा आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन की तैयारियां शुरू कर दी

नवरात्र के छठे दिन हुआ माता के कात्यायनी स्वरूप का पूजन

बेरी। मां भीमेश्वरी देवी की प्रतिमा, मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेरी

नवरात्र पर्व का उत्साह देखते ही बन रहा है। श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ माता की पूजा अर्चना कर रहे है। मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में परिवार सहित नमन करते हुए अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना करे रहे है। वहीं घरों में भी माता की विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। नवरात्र के छठे दिन श्रद्धालुओं ने माता के कात्यायनी स्वरूप की पूजा अर्चना की। उधर, सप्तमी व अष्टमी के दिन मेले के चलते पुलिस हाई अलर्ट पर है। श्रद्धालुओं ने भी कन्या पूजन की तैयारियां शुरू कर दी है।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों को दी संस्थान संबंधी जानकारी

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजूकेशन में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना से की गई। प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने संस्थान की ओर से देश के विभिन्न राज्यों से आए नवागंतुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक को संस्थान संबंधी जानकारी दी। मंच संचालन लोकेश कौशिक व मोनिका ने किया। इस दौरान डॉक्टर शीतल, डॉ. गुरप्रीत, कविता, मुकेश, सीमा रानी, अनिल व सारिका ने संस्थान से संबंधित पाठ्यक्रम,

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित नव प्रवेशित विद्यार्थी एवं अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

130 लोगों का होम्योपैथिक उपचार किया

होम्योपैथिक चिकित्सा व नेत्रजांच शिविर में लोगों का जांचा स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। शिविर में लोगों का होम्योपैथिक उपचार करते हुए डॉक्टर अशोक वर्मा।

बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर परिसर में रविवार को होम्योपैथिक चिकित्सा एवं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सेठ साधूराम बंसल की पुण्यतिथि एवं होम्योपैथिक विकास दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता मंदिर महंत परमानंद गिरी महाराज ने की जबकि कोलकाता से योगेश बंसल, रोहतक से डॉक्टर अनिल शर्मा, बहादुरगढ़ से डॉक्टर बृज बिहारी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ.अशोक वर्मा ने बताया कि शिविर में 325 लोगों की नेत्र जांच की गई, 130 लोगों का होम्योपैथिक उपचार किया और 120 नेत्र रोगियों को चश्में वितरित किए गए। शिविर में चिकित्सकों ने जरुरतमंद लोगों को उचित परामर्श व दवा भी दी। इस मौके पर प्रदीप शर्मा, जलकरण, डॉ. नरेश शर्मा, रणबीर गुलिया, एडवोकेट रणबीर, राज सिंह चाहर, सुभाष सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रोल प्ले व लोकनृत्य में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान माछरौली द्वारा जिला स्तरीय रोल-प्ले एवं लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास व अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी होती हैं। कार्यक्रम प्रभारी राजीव देशवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के सभी ब्लॉकों की शीर्ष 15 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता परिणामों में लोकनृत्य प्रतियोगिता में राजकीय उच्च विद्यालय नौगांवां ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि राजकीय कन्या उच्च विद्यालय ऊंटलौधा द्वितीय तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी तृतीय रहा। इसी प्रकार रोल-प्ले प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तलाव ने पहला, सुबाना ने दूसरा व राजकीय कन्या विद्यालय बेरी ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजयी टीमों को प्रशस्ति-पत्र व नकद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन निपुण हरियाणा के जिला समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया ने किया। इस मौके पर सुनील कुमार, भूपेंद्र सिंह, संदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। लोकनृत्य प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

वार्षिकोत्सव में हवन के साथ वेदपाठ जारी

बहादुरगढ़। समारोह के दौरान हवन में आहूति डालते यजमान। फोटो :हरिभूमि

- आत्मशुद्धि आश्रम द्वारा 59वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा
- योगाचार्य सतपाल वत्स ने सुबह 5 से 6 बजे तक यौगिक क्रियाएं करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आत्मशुद्धि आश्रम द्वारा 59वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। सात दिवसीय शिविर में रविवार को भी अनेक लोगों ने हिस्सा लिया। यह शिविर 2 अक्टूबर तक चलेगा। आश्रम के मुख्य अधिष्ठाता आचार्य विक्रम देव जी नैष्ठिक के सानिध्य में हवन के साथ ही वेदपाठ किए जा रहे हैं। रविवार को शिविर के तीसरे दिन योगाचार्य सतपाल वत्स ने सुबह 5 से 6 बजे तक यौगिक क्रियाएं करवाई। सभी साधकों से ध्यान व योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए योगानिष्ठ सतपाल वत्स ने साधकों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भरामरी सहित अन्य योगासनों का अभ्यास कराया गया। आचार्य विक्रम देव जी नैष्ठिक ने कहा कि वेद ईश्वरीय वाणी है।

वसुधैव कुटुम्बकम का उपदेश केवल वेद ने ही दिया

महर्षि दयानंद ने वेदों का हिंदी अनुवाद करके वेद ज्ञान जन जन के लिए सुलभ बनाया। उनका संदेश था कि वेद केवल हिंदुओं का नहीं वरन सम्पूर्ण मानव जाति का पथ प्रदर्शक है। वसुधैव कुटुम्बकम का उपदेश केवल वेद ने ही दिया है। स्वामी रामानंद सरस्वती ने बताया कि समय-समय पर आश्रम में विभिन्न प्रकार के शिविरों व प्रदर्शनियों द्वारा राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण, वेद प्रचार व आर्य समाज तथा ऋषि दयानंद के सिद्धांतों का प्रचार प्रसार करते हैं। समारोह के दौरान साढ़े 7 बजे से साढ़े 11 बजे और सायं 3 बजे से 7 बजे तक यज्ञ भजन व उपदेश हुए। भजनउपदेशक आचार्य भगवान दास जी महाराज, पंडित जयभगवान आर्य, संगीताचार्य पंडित लक्ष्मण प्रसाद, पंडित धनीराम बेधड़क, तबलावादक रामानंद सिवान, राधेश्याम आर्य आदि ने वेद का महत्व समझाया।

नहरों को प्रदूषित न करने की अपील

बहादुरगढ़। नहरों को गंदा न करने का संदेश देते जागरूक नागरिक। फोटो :हरिभूमि

हमें समझना होगा कि ये नहरें सिर्फ जलधारा नहीं बल्कि जीवन की धाराएं हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

विश्व नदी दिवस के अवसर पर इलाके के लोगों ने सुनो नहरों की पुकार अभियान चलाया। माइनर किनारे मानव श्रृंखला बनाकर हाथ में पोस्टर, बैनर थामे लोगों ने जागरूकता का संदेश दिया। आमजन से नहरों, माइनरों को प्रदूषित न करने की अपील की। अभियान का नेतृत्व जयपाल सांगवान ने किया। नवरात्र में लोग पूजन सामग्री और कई बार घरों का कचरा भी नहर में बहा देते हैं। इससे नहरें दूषित होती हैं। पार्षद सत्यप्रकाश छिकारा ने लोगों को चेताया कि यही नहरों का पानी पाइपलाइन के जरिए हमारे घरों तक पहुंचता है। अगर इन्हें गंदा किया जाएगा तो वही पानी पीना पड़ेगा, स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि एक तरफ हम नहरों की पूजा करते हैं और दूसरी ओर उन्हें गंदा करते हैं। हमें समझना होगा कि ये नहरें सिर्फ जलधारा नहीं बल्कि जीवन की धाराएं हैं।

नहर में कूड़ा डालने वालों पर होगा चालान

मनीष चाहार ने सुझाव दिया कि जैसे ट्रैफिक नियम तोड़ने पर चालान काटा जाता है, वैसे ही नहर में कूड़ा डालने वालों पर भी चालान होना चाहिए। विजय कालीरमन और मेजर सुधीर राठी ने कहा कि पूजन सामग्री को मिट्टी में दबाएं, फूलों की मालाओं को पौधों के पास डालें और देवी-देवताओं की पुरानी तस्वीरों को पेड़ों के नीचे न रखें। मौके पर हरिकिशन दहिया, भारत भूषण वर्मा, भजन सिंह, सुमित दलाल, बीके लोकेश, विकास, यशबीर जून, संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति के सदस्य संजय, यशपाल, सितेंद, सुरेंद्र, अनिल, सोमेश आदि मौजूद रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में शीश नवाकर मांगी मन्नतें, भंडारे में छका प्रसाद

झाड़ोदा में बाबा हरिदास मठ पर लगा छमाही मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव झाड़ोदा में बाबा हरिदास का मेला साल में दो बार चैत्र व अश्विन शुक्ल की छठ को लगता है

शहर से सटे झाड़ोदा कलां गांव में बाबा हरिदास मठ में छमाही मेले के दौरान रविवार को छठ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यहां हजारों भक्तों ने पवित्र सरोवर में स्नान कर शीश नवाया और मन्नतें मांगी। संत हरिदास सेवा मंडल के साथ ही पुलिस प्रशासन ने भी बेहतरीन इंतजाम कर रखे थे। इसके बावजूद दिनभर जाम के हालात बने रहे।

बता दें कि गांव झाड़ोदा में बाबा हरिदास का मेला साल में दो बार चैत्र व अश्विन शुक्ल की छठ को लगता है। यहां प्रदेश भर के अलावा देश के कई हिस्सों से लोग शिरकत करते हैं। रविवार को हजारों लोगों ने यहां पहुंच कर बाबा का आशीर्वाद लिया। मेले के दौरान बच्चों, युवाओं, वृद्धों व महिलाओं ने नियमपूर्वक पवित्र मल्लाह (तालाब) में स्नान किया। श्रद्धालुओं ने ज्योत लगाने के साथ ही मंदिर में पूजा कर प्रसाद बांटा। यहां हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान व उत्तर प्रदेश समेत दूर-दूर से लोग आकर मन्नत मांगते हैं।

बहादुरगढ़। झाड़ोदा कलां स्थित पवित्र तालाब 'मल्लाह' में छठ पर स्नान करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भंडारे आयोजित किए

इस दौरान अनेक श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भंडारे भी आयोजित किए, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसाद छका। उनकी समाधि स्थित मंदिर व मल्लाह पर संत हरिदास सेवा मंडल के नेतृत्व में दोनों जगह बेहतरीन इंतजाम किए थे। इस विशाल आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन के अलावा मंडल ने भी पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। हजारों लोगों ने मेले में पहुंचकर बाबा हरिदास का आशीर्वाद लिया। बच्चे और महिलाएं खरीदारी करती नजर आई। महिलाओं और युवाओं के कई समूह पैदल ही लंबा सफर करके यहां पहुंचे थे। इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लगा रहा।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श किया

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित शिक्षक और अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। महर्षि दयानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खुडण में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों में शैक्षणिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना तथा अभिभावकों और विद्यालय के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान अभिभावकों को अवसर प्रदान किया गया कि वे अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में प्रत्यक्ष रूप से शिक्षकों से जानकारी प्राप्त कर सकें। अभिभावकों ने शिक्षकों के साथ बातचीत की और अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। इस संवाद ने न केवल अभिभावकों को बच्चों के अध्ययन स्तर को समझने में मदद की, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श करने का भी अवसर दिया। प्राचार्य रामनिवास गहलावत ने बताया कि विद्यार्थियों की प्रगति में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खबर संक्षेप

झज्जर। छात्रवृत्ति परीक्षा में पहुंचे विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षक।

छात्रवृत्ति परीक्षा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। श्री चैतन्या टेक्नो स्कूल में रविवार को स्कोर छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के रीजनल इंचार्ज अवनिश सिंह ने बताया कि मेधावी विद्यार्थियों को पहचानने और प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित इस परीक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को लाखों रुपये के नकद पुरस्कार एवं फीस में छूट दी जाएगी। स्कूल प्राचार्या कृष्णानंद ने अभिभावकों को स्कूल के पाठ्यक्रम से अवगत कराया।

अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा-2 ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गौरव के रूप में हुई है। गौरव मूलतः भिवानी से है और फिलहाल गुरुग्राम रहता है। उसे यहां डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम के गेट के पास से गुप्त सूचना के आधार पर काबू किया गया। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। उससे एक देसी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुआ है। किस मकसद से हथियार लेकर घूम रहा था, इस संबंध में पूछताछ की जा रही है।

देश की वर्तमान परिस्थितियों में भगत सिंह की क्रांतिकारी सोच से प्रेरणा लेकर उनके सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट रहने का संकल्प दोहराया

कवियों ने गोष्ठी में किया शहीद-ए-आजम को नमन

शब्द मौन हो गए और कलम झुक गई भारत मां के लालों की जब सांस रुक गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कलमवीर विचार मंच द्वारा शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर रविवार को सेक्टर-9 स्थित विवेकानंद पार्क में सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। शिक्षाविद कवयित्री अर्चना झा द्वारा मां भारती की वंदना से शुरू हुई गोष्ठी की अध्यक्षता कवि-कलाकार विरेंद्र कौशिक ने की। गोष्ठी में शामिल रहे कवि मोहित कौशिक, साहित्यकार मंजू दलाल, लोक कवि जगबीर कौशिक, नित्यानंद झा और कार्यक्रम संयोजक कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शहीद-ए-आजम को भावपुष्प अर्पित किए। देश की वर्तमान परिस्थितियों में उनकी क्रांतिकारी सोच से प्रेरणा लेकर उनके सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट रहने का संकल्प दोहराया। डॉ. मंजू दलाल ने सुनाया कि उस मां को सलाम जिसने भगत को जना, चमकी भारत की किस्मत हुए हम फिदा। याद रखेंगे तुमको सभी तब तलक, चांद तारे हैं जब तक चमकते फलक। जगबीर कौशिक ने पढ़ा कि शब्द मौन हो गए और कलम झुक गई, भारत मां के लालों की जब सांस रुक गई। अर्चना झा हिना ने सुनाया कि लो ये पाती सुनो देश के नाम से। जो भगतसिंह ने भेजी है पुण्यधाम से। न ही पद चाहिए, ना ही कद चाहिए। मुझको खुशहाल मेरा वतन चाहिए। मुझे सम्मान भी चाहे दो या ना दो, न करो याद आतंकी के नाम से। मोहित कौशिक ने पढ़ा कि जानते हो क्या इस वक़्त चाहिए। हमे एक नेता देश भक्त चाहिए। मर मिटे थे जो प्यारे वतन के लिए, उनके सपनों का अब आर्यव्रत चाहिए। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने सुनाया कि जी रहे हैं वतन के लिए, एक उजले कफन के लिए। हम बनेंगे नयी रोशनी, इस पुराने भवन के लिए।

अर्चना झा हिना ने सुनाया कि लो ये पाती सुनो देश के नाम से। जो भगत सिंह ने भेजी है पुण्यधाम से। न ही पद चाहिए, ना ही कद चाहिए। मुझको खुशहाल मेरा वतन चाहिए। मुझे सम्मान भी चाहे दो या ना दो, न करो याद आतंकी के नाम से।

बहादुरगढ़। गोष्ठी में शहीद भगत सिंह को याद करते कवि-रचनाकार। फोटो : हरिभूमि

रेखाचित्र के माध्यम से किया शहीद भगत सिंह को नमन

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में मुकेश शर्मा और अंशुल शर्मा ने भारत माता के वीर सपूत शहीद भगत सिंह की जयंती पर उनका एक विशाल रेखाचित्र बनाकर नमन किया। मुकेश शर्मा ने बताया कि शहीद भगत सिंह हमेशा युवाओं के प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने युवाओं से शहीद भगत सिंह के दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इस दौरान पूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, मास्टर वेदप्रकाश शर्मा, रामवतार शर्मा, रमेश कौशिक, नसीब कौशिक, देवेंद्र वशिष्ठ, विजय वशिष्ठ, अमन वशिष्ठ, हिमांशु वशिष्ठ, संजय मास्टर, राजेश कौशिक, केशव वशिष्ठ आदि ने श्रद्धांजलि दी।

शहीद भगत सिंह जयंती पर दूबलधन में निकाली तिरंगा यात्रा

बेरी। गांव दूबलधन में स्वतंत्रता सेनानी चौधरी ललतीराम(आईएनए) ट्रस्ट द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन कर तिरंगा यात्रा भी निकली गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता संजय कबलाना व एसडीएम रेणुका नांदल का कार्यक्रम के संयोजक स्वर्गीय ललती राम के सुपुत्र रामनिवास तथा सह संयोजक रविन्द्र कौशिक व उपस्थित ग्रामीणों ने पगड़ी पहना कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। संजय कबलाना ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं एसडीएम रेणुका नांदल ने कहा कि शहीद भगत सिंह का सपना एक ऐसे भारत का था जहां शोषण, असमानता और धार्मिक कट्टरता का कोई स्थान न हो। वे सदैव युवाओं के लिए एक प्रकाशस्तंभ बने रहेंगे।

बेरी। दूबलधन गांव में तिरंगा यात्रा में भाग लेते हुए एसडीएम रेणुका नांदल एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने उपरांत उपस्थित इनेलो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इनेलो कार्यकर्ताओं ने शहीद भगत सिंह को किया नमन

झज्जर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर इनेलो पदाधिकारी और कार्यकर्ता भगत सिंह चौक पहुंचे और शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिला अध्यक्ष सतपाल पहलवाल ने युवाओं को भगत सिंह के दिखाए मार्ग पर चलने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने में भगत सिंह का योगदान सबसे बड़ा था। उन्होंने कहा कि भगत सिंह एक ऐसी महान शख्सियत थे। जिन्होंने हंसते-हंसते अपने प्राण देश की स्वतंत्रता के लिए न्यौछावर कर दिए। इस अवसर पर कार्यालय सचिव पवन धनखड़, डॉक्टर रविंद्र मलिक, हर्मेश सैनी, साहब सिंह धनखड़, धर्मबीर दरोगा, पवन धौड़, झज्जर युवा हल्का अध्यक्ष सुनील कड़ौधा, मीडिया कार्डिनेटर योगेश सैनी सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बीमा कंपनियों के विरुद्ध नारेबाजी करते नाराज किसान।

किसानों ने बीमा कंपनियों के विरुद्ध किया प्रदर्शन

प्रदेश को बाढ़ पीड़ित वर्गीकृत नहीं करने से यहां किसानों को तिहरी मार झेलने पड़ रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाणा प्रदेश को बाढ़ पीड़ित वर्गीकृत नहीं करने से यहां किसानों को तिहरी मार झेलने पड़ रही हे। रविवार को गांव कुलासी व लडरावण के किसानों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। भूमि बचाओ संघर्ष समिति की टीम डॉ शमशेर, जोगेंद्र छिकारा व मंजीत दहिया ने कहा कि 70 वर्षों उपरांत भी सरकार वर्षा निकासी सिस्टम विकसित करने में पूरी तरह विफल रही है।

जलभराव और मुआवाजा राशि राजनीतिक लाभ का माध्यम बन गया हे। बीमा कंपनियों ने नुकसान को आंशिक दिखाकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। जोगेंद्र सिंह ने तुरंत प्रभाव से 90 हजार प्रति एकड़ मुआवजा फसल प्रभावित और जलनिकास के लिए ग्राम सभा को 5 लाख राशि तुरंत प्रभाव से जारी करने की मांग की। इस अवसर पर राजपाल खत्री, रामफल, नरेंद्र, इंद्र सिंह व मांगे आदि ने रोष प्रदर्शन किया।

नशे के दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

वाहन चलाते समय ट्रैफिक सिग्नल, सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग करना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को यातायात पुलिस की एक टीम द्वारा आमजन को नशे के दुष्प्रभाव और यातायात नियमों की पालना करने प्रति जागरूक किया गया। यातायात प्रभारी वीरेंद्र ने बताया कि जीवन की सुरक्षा, सड़क पर नियमों के पालन में निहित है। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय ट्रैफिक सिग्नल, सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग करना अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी न केवल चालक बल्कि राहगीरों के जीवन के लिए भी खतरनाक सिद्ध हो सकती है।

झज्जर। लोगों को यातायात नियमों की पालना को लेकर जागरूक करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

पुलिस को दें नशा बेचने वाले की सूचना

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करेगी तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। वहीं आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नशे का प्रयोग करने से शारीरिक व आर्थिक दोनों नुकसान होता है और भविष्य बर्बाद हो जाता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अगर आपके आसपास कोई नशा बेचता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें, आपकी पहचान को गुप्त रखा जाएगा।

बहादुरगढ़। नई बस्ती में हुए कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्माकुमारियां व अन्य।

नई बस्ती में भी धूमधाम से मनाई नवरात्रि

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के नई बस्ती सेवाकेंद्र पर नवरात्रि का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। आचार्य बीके लवकेश ने शरीर को डिटॉक्स करने के सरल एवं प्राकृतिक उपायों पर प्रकाश डाला। साथ ही स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने का प्रेरणादायी संदेश दिया। बीके अमृता दीदी ने नवरात्रों का गहन आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए बताया कि नवरात्र केवल देवी उपासना का पर्व नहीं बल्कि आत्म-शक्ति जागरण और दुर्गुणों पर विजय प्राप्त करने का संदेश देने वाला पर्व है।

शिविर में 36 लोगों ने किया रक्तदान

झज्जर। शहीद भगत सिंह जयंती के उपलक्ष्य में क्षेत्र के गांव गोरिया में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शहीद भगत सिंह युवा मंच, इंडेप्थ विजन फाउंडेशन, सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया तथा रेडक्रॉस द्वारा गांव की भुक्कर धर्मशाला में आयोजित इस शिविर में कुल 36 लोगों ने रक्तदान किया, जबकि 42 युवाओं ने पंजीकरण करवाकर समाजसेवा में योगदान दिया। कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह युवा मंच से विक्रम भुक्कर, अनिल भुक्कर, सर्वेश भुक्कर, प्रवीण मास्टर और नितिन भुक्कर ने कहा कि रक्तदान महादान है, इसका कोई विकल्प नहीं है। रक्त एकत्रण का कार्य रेडक्रॉस टीम ने किया। सभी रक्तदाताओं को आयोजक समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्था सदस्य पूनम देशवाल, विकास कौशिक, दीपक आदि उपस्थित रहे।

झज्जर। शिविर में रक्तदान करते हुए रक्तदाता।

जैन ने लिया संत गुप्ति सागर का आशीर्वाद

बहादुरगढ़। संत गुप्ति सागर जी महाराज के सानिध्य में गन्नौर स्थित गुप्तिधाम में रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम दिखा। बहादुरगढ़ से कार्यक्रम में गए वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, अंतरराष्ट्रीय सेवा सदन के अध्यक्ष दिनेश और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली समेत अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डॉ पंकज जैन ने कहा कि संत गुप्ति सागर जी के आशीर्वाद से समाज में आध्यात्मिक चेतना और सेवा भाव का संचार होता है। संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं और उनके बताए रास्ते पर चलना ही सच्ची साधना है।

बहादुरगढ़। संत गुप्ति सागर जी का आशीर्वाद लेते मोहन लाल बड़ौली व डॉ. पंकज जैन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

आस्था

श्रीराम की भूमिका निभा रहे मास्टर अनिल दिल्ली के झाड़ौदा कलां में साइंस टीचर

जिम्मेदारियों के बीच आराम त्याग कर धर्म संस्कृति का दायित्व निभा रहे कलाकार

प्रथम नवरात्रों से शहर में रामलीला कमेटी के कलाकारों ने श्रीराम कथा का मंचन किया

कुमार राकेश कायत ⏭ झज्जर

प्रथम नवरात्रों से शहर में रामलीला कमेटी के कलाकारों द्वारा श्रीराम कथा का मंचन किया जा रहा है। रामलीला के कलाकार अपने व्यस्त जीवन और जिम्मेदारियों के बीच से समय निकाल भगवान श्रीराम की का मंचन करने का तालमेल बिठाए हुए है। नींद की कमी और थकान के बावजूद कलाकार देर रात तक पांडाल में उपस्थित रहते हैं और अपनी भूमिकाओं को पूरे समर्पण से निभाते हैं। जब इस समर्पण भाव को देखने के लिए श्रीविकास रामलीला के कलाकारों से बातचीत की गई तो पता चला कि रामायण के सबसे प्रमुख पात्र श्रीराम की भूमिका निभा रहे मास्टर अनिल दिल्ली के झाड़ौदा कलां में साइंस टीचर हैं।

वे सुबह साढ़े चार बजे उठकर पूरे दिन स्कूल और घर की जिम्मेदारियों के बाद रात को मंच पर आकर भगवान श्रीराम, विष्णु और श्रवण कुमार जैसे किरदार निभा रहे हैं। उनकी दिनचर्या में सुबह चार बजे उठना, नित्यकर्म के बाद छह बजे स्कूल के लिए तैयार होकर बस स्टैंड पहुंचना। उसके स्कूल और स्कूल से चार बजे वापिस घर। इसके बाद करीब दो घंटे का आराम तथा फिर रामलीला मैदान पंडाल में पहुंच कर अपने आज के अभिनय एवं संवाद का पूर्वावलोकन और सजकर तैयार होना।

इसके बाद बारह बजे रामलीला मंचन की समाप्ति के बाद सामान आदि का रख-रखाव करने के बाद रात्रि करीब एक बजे घर पहुंचना। लक्ष्मण की भूमिका राजेश निभा रहे हैं, जो गैस सिलेंडर की डिलीवरी का कार्य करते हैं। दिनभर की भागदौड़ के बावजूद वे रामलीला मंच पर जीवंत अभिनय प्रस्तुत करते हैं। सीता जी की भूमिका पंकज पांचाल निभा रहे हैं। वे दिनभर सैलून का कार्य संभालते हैं और शाम को रामलीला पांडाल में उपस्थित होकर देर रात तक मंच पर बने रहते हैं।

झज्जर। राम की भूमिका में मास्टर अनिल

लक्ष्मण की भूमिका में राजेश

भरत की भूमिका में मास्टर अनिल पांचाल

रावण का किरदार निभाने वाले सुरेंद्र कोडान

झज्जर। हनुमान का अभिनय करने वाले रोहित व सीता का अभिनय करने वाले पंकज पांचाल। फोटो : हरिभूमि

भरत की भूमिका निभाने वाले मास्टर अनिल ड्रॉइंग टीचर के रूप में क्षेत्र के गांव खेड़ी आसरा में कार्यरत

भरत की भूमिका निभाने वाले मास्टर अनिल ड्रॉइंग टीचर के रूप में क्षेत्र के गांव खेड़ी आसरा में कार्यरत हैं। वे पहले शबरी, मंत्री, सुग्रीव, राम सहित कई अन्य किरदार निभा चुके हैं। वर्तमान में भरत की भूमिका से दर्शकों को भाव-विभोर कर रहे हैं। रावण की भूमिका सुरेंद्र कोडान निभा रहे हैं। वे सुबह तीन बजे से दूध एकत्र कर करीब ग्यारह बजे तक शहर में उसका वितरण करते हैं और खेती का कार्य भी संभालते हैं। फिर भी देर रात तक पांडाल में उपस्थित रहकर रावण के प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। हनुमान की भूमिका निभाने वाले रोहित दलाल दिनभर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और जिम में समय देते हैं। मंच पर आते ही वे हनुमान के जोश और पराक्रम से दर्शकों को प्रभावित करते रहे हैं। रामलीला क्लब के इन कलाकारों की दिनचर्या बताती है कि वे व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों और थकान से ऊपर उठकर समाज को संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। रामलीला उनके लिए केवल अभिनय नहीं, बल्कि आस्था और समर्पण का प्रतीक बन चुकी है।